स्कूटरों के मूल्य में वृद्धि

†*147. **श्री ओउम् प्रकाश त्यागी :**
श्री भैरो सिंह शेखावत :
डा० राम कृपाल सिंह :
श्री सरदार कुमार सं० चं० आंग्रे :

क्या **भारी उद्योग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि इस वर्ष 1 जून से स्कूटरों के मूल्यों में वृद्धि कर दी गई है, और

(ख) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है और सार्वजनिक परिवहन पर उसका क्या प्रभाव पड़ेगा ?

†[Increase in the price of scooters

*147. SHRI O. P. TYAGI:
SHRI B. S. SHEKHAWAT:
DR. RAMKRIPAL SINHA:
SHRI S. C. ANGRE:

Will the Minister of HEAVY INDUSTRY be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the prices of scooters have been increased with effect from 1st June this year; and

(b) if so, what are the details thereof and what would be its impact on public transport?]

भारी उद्योग मंत्री (श्री टी० ए० पै) : (क) और (ख) बजाज स्कूटर के कारखाने से निकलते समय के खुदरा बिक्री मूल्य जो दिनांक 12-2-74 को नियत किये गये थे, में 229 रुपये की वृद्धि की अनुमति दी गई है । किन्तु लम्ब्रेटा स्कूटर का मूल्य दिनांक 12-2-74 को नियत किये गये मूल्य पर ही कायम रखा गया है। जहां तक सरकारी परिवहन पद्यति पर पड़ने वाले प्रभाव का संबंध है, स्वचालित रिक्शाओं के मूल्य बजाज के मामले में 363 रुपये और लम्ब्रेटा के मामले में 211 रुपये की वृद्धि की गई है। सरकारी परिवहन पद्यति के किसी पहलू पर इसके विशेष प्रभाव पड़ने की संभावना नहीं है।

†[THE MINISTER OF HEAVY INDUSTRY (SHRI T. A. PAI): (a) and (b) The ex-factory retail selling price of Bajaj Scooter has been allowed to be increased by Rs. 229 over and above the price fixed on 12-2-74. But the price of Lambretta has been retained at the level of the price fixed on 12-2-74. As far as impact on the public transport system is concerned, prices of auto-rickshaws have been raised by Rs. 363 in case of Bajaj and Rs. 211 in case of Lambretta vehicles. This is not expected to significantly affect any aspect of the public transport system.]

Import of Steel

*148. SHRIMATI LAKSHMI KUMARI CHUNDAWAT:
SHRI SWAISINGH SISODIA:
SHRI MAHENDRA BAHADUR SINGH:
SHRI SYED NIZAM-UD-DIN:

Will the Minister of STEEL AND MINES be pleased to state:

(a) the quantity of steel likely to be imported during the current year;

(b) the names of the countries from where it is to be imported and the foreign exchange involved?

THE MINISTER OF STEEL AND MINES (SHRI K. D. MALAVIYA): (a) About 1.13 million tonnes of steel are likely to be imported during the current year.

†[ ] English translation.

(b) Imports will be made mainly from Japan, U.S.A., U.K, Italy, France, Australia, Sweden, Belgium, North Korea, East European Countries, USSR, and West Germany.

The foreign exchange involved would be about Rs. 300 crores.

इस्पात विकास योजना

*149. **श्री डी० के० पटेल :**
श्री भैरों सिंह शेखावत :
श्री विरेन्द्र कुमार सखलेचा :
श्री सुब्रमण्यम् स्वामी :

क्या इस्पात और खान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि धन की कमी के कारण इस्पात विकास परियोजनाओं के लिये बाधा उत्पन्न हो रही है और 1974-75 की योजना को क्रियान्वित करने के लिये लगभग 65 करोड़ रुपये की आवश्यकता पड़ेगी; और

(ख) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है और इस संबंध में सरकार ने क्या कदम उठाये हैं ?

†[**Steel Development Scheme**

*149. SHRI D. K. PATEL:

SHRI B. S. SHEKHAWAT:

SHRI V. K. SAKHLECHA:

SHRI SUBRAMANIAM SWAMY:

Will the Minister of STEEL AND MINES be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the paucity of funds is standing in the way of steel development scheme and that nearly Rs. 65 crores will be required for the implementation of the scheme for 1974-75; and

(b) if so, what are the details thereof and the steps being taken by Government in this regard?]

इस्पात और खान मंत्री (श्री केशव देव मालवीय) : (क) इस्पात विकास कार्यक्रम पर खर्च के लिए सरकारी क्षेत्र के इस्पात कारखानों के आन्तरिक स्रोतों से उपलब्धि 1974-75 के लिए बजट अनुमान तैयार करते समय लगाए गए अनुमानों से काफी कम होने की सम्भावना है। ऐसा मुख्यतया वेतन में वृद्धि, परिवहन, लागत, आदानों जैसे कोयला, पेट्रोलियम उत्पादों, फेरो-मैगनिज, चूना पत्थर आदि की मूल्य वृद्धि के कारण हुआ है। प्रत्याशित आन्तरिक संसाधनों की कमी के अलावा संयंत्र तथा उपस्कर पूंजीगत लागत में भी काफी वृद्धि हुई है।

(ख) बजट में कुछ अतिरिक्त व्यवस्था करने की सम्भावनाओं का पता लगाने के प्रयत्न अभी किए जा रहे हैं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि अधिक महत्वपूर्ण योजनाओं के काम की प्रगति पर प्रतिकूल प्रभाव न पड़े।

†[THE MINISTER OF STEEL AND MINES (SHRI K. D. MALAVIYA): (a) The availability of internal resources of the public sector steel plants for expenditure on the steel development programme is likely to be considerably lower than what was anticipated at the time of framing the budget estimates for 1974-75. This is mainly due to escalations in wages, transportation costs, prices of inputs such as coal, petroleum products, ferro-manganese limestone etc. Besides the shortfall in the anticipated internal resources, the capital cost of plant and equipment has also risen substantially.

(b) Efforts are still in progress to explore possibilities of providing some additional budgetary support so as to ensure that the progress of execution of the more important schemes is not adversely affected.]

†[ ] English Translation.